क्षेत्रीय साहित्य के अनुवाद से विदेश तक पहुंचेगी सांस्कृतिक विरासत : नायडू

जागरण संवाददाता, पूर्वी दिल्ली : भारत के क्षेत्रीय साहित्य की कृतियों के चीनी तथा रूसी भाषाओं में अनुवाद से भारत की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत विदेश तक पहुंचेगी और इसके प्रति लोगों में व्यापक रुचि उत्पन्न होगी। यह बात उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की आभासी बैठक के दौरान कही।

एससीओ की बैठक में वेंकैया नायडू ने साहित्य अकादमी की तरफ से प्रकाशित दस आधुनिक कालजयी भारतीय कृतियों के रूसी व चीनी भाषा में अनुवाद के विमोचन में भागीदारी की। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जून 2019 में कजाकिस्तान की राजधानी बिश्केक में हुए एससीओ शिखर सम्मेलन में घोषणा की थी कि भारतीय भाषाओं की दस महान कृतियों का चीनी व रूसी भाषा में अनुवाद किया जाएगा। इसके बाद साहित्य अकादमी ने आधुनिक भारतीय साहित्य से दस भारतीय भाषाओं की दस कृतियों का चयन किया और इनका चीनी व रूसी भाषा में अनुवाद प्रकाशित किया।

इन किताबों का हुआ अनुवाद

पुस्तक	लेखक	मूल भाषा
सूरुजमुखीर स्वप्न	सैयद आब्दुल मालिक	असमिया
आरोग्य निकेतन	ताराशंकर बंद्योपाध्याय	बांग्ला
वेविशाल	झवेरचंद मेघाणी	गुजराती
कव्वे और काला पानी	निर्मल वर्मा	हिंदी
पर्व	एसएल भैरप्पा	कन्नड
मनोज दासंक कथा ओ काहीणी	मनोज दास	ओड़िया
मढ़ी दा दीवा	गुरदियाल सिंह	पंजाबी
शिल नेरंगलिल शिल मणितर्कल	जयकांतन	तमिल
इल्लु	राचाकांडा विश्वनाथ शास्त्री	तेलुगु
एक चादर मैली सी	राजिंदर सिंह बेदी	उर्दू